वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान में मनाये गये हिन्दी दिवस समारोह की रिपोर्ट

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान , कोयम्बत्तूर में सन 2018 के लिये 14 सितम्बर 2018 को हिन्दी दिवस समारोह मनाया गया। इस समारोह में सभी कर्मचारियों ने हर्षोल्लास से भाग लिया। इस अवसर पर डॉ.टी.एस.अशोक कुमार,भा.व.से, प्रधानाचार्य, केन्द्रीय अकादमी राज्य वन सेवा, कोयम्बत्तूर मुख्य अतिथि थे। इस कार्यक्रम में निदेशक जी ने मुख्य अथिति को गुलदस्ता देकर स्वागत किया। उसके बाद श्री.एस.सेन्दिलकुमार, भा.व.से, अध्यक्ष(राजभाषा कार्यान्वयन समिति) ने सभा में उपस्थित सभी अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों का हार्दिक स्वागत किया। इसके उपरान्त डां.वि.कु.वा.बाचपई, सचिव, (राजभाषा कार्यान्वयन समिति) ने सभी के समक्ष राजभाषा का वार्षिक प्रगति रिपोर्ट पेश किया।

हिन्दी दिवस समारोह के दौरान 1-14 सितम्बर 2018 तक हिन्दी पखवाडा का आयोजन किया गया जिसमें ***हिन्दी हस्त लेखन प्रतियोगिता, हिन्दी समाचारपत्र वाचन प्रतियोगिता, हिन्दी टंकण प्रतियोगिता आदि*** को शामिल किया गया। इन प्रतियोगिताओं में सभी अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने उमंग -उत्साह से भाग लिया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मुख्य अथिति ने प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार देकर उन्हें सम्मानित किया और सभी सहभागिताओं को भी प्रमाणपत्र देकर उन्हें प्रोत्साहित किया।

मुख्य अतिथि डॉ.टी.एस.अशोक कुमार,भा.व.से, प्रधानाचार्य, केन्द्रीय अकादमी राज्य वन सेवा, कोयम्बत्तूर ने हिन्दी के महत्व पर विशेष भाषण दिया। अपने भाषण में उन्होंने भाषा का महत्व बताते हुए कहा कि हिन्दी भाषा एक ऐसी भाषा है जिसे भारत के कई राज्यों में बोली जाती है और जिस एक भाषा को सीख लेने से न सिर्फ सरकारी कामकाज में उपयोगी होगा बल्कि व्यक्तिगत कार्यों में भी उपयोगी सिद्ध होगा। इसलिए उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि सभी को जरूर हिन्दी सीखनी चाहिए और भारत सरकार के नियमों का पालन करना चाहिए। आगे उन्होंने संस्थान के द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन में की गई प्रगति के लिये सभी को बधाई दी और इसी तरह भविष्य में भी प्रगति करते रहने की शुभकामनाएँ दी।

अंत में निदेशक ने मुख्य अथिति को एक मोमेन्टो भेंट किया। समारोह का समापन श्रीमती पूंगोदै कृष्णन, हिन्दी अनुवादक द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

निदेशक का भाषण

मुख्य अथिति का भाषण

प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देते हुए